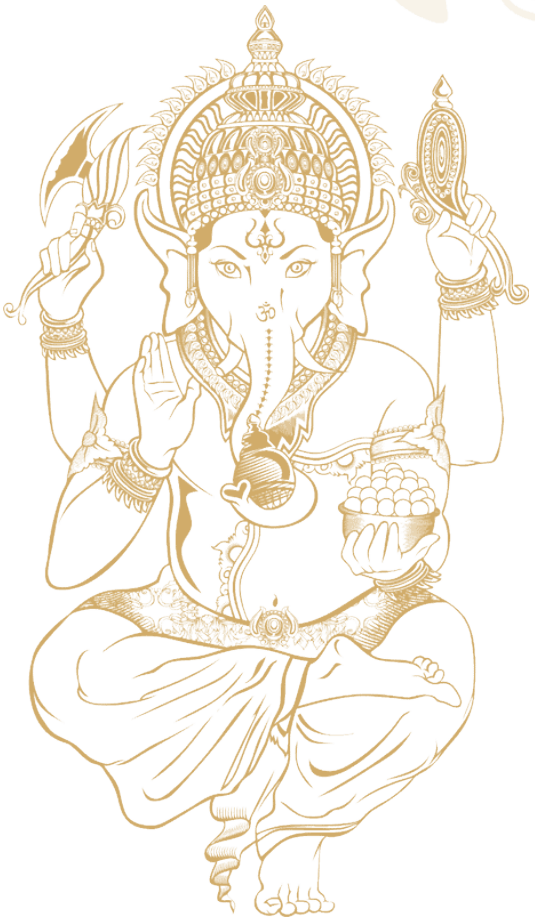

Aman

Nidhi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121236801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121236801 Date: 10/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/02/1999	जन्म तिथि	14/06/2001
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 10:00:00	जन्म समय	09:30:00 घंटे
घटी 08:23:48	जन्म समय(घटी)	10:18:10 घटी
India	देश	India
Durg	स्थान	Raipur
21:12:00 उत्तर	अक्षांश	24:34:00 उत्तर
81:20:00 पूर्व	रेखांश	81:27:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:40	स्थानिक संस्कार	-00:04:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:38:28	सूर्योदय	05:15:11
17:59:33	सूर्यास्त	18:53:45
23:50:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:21

मेष	लग्न	कर्क
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
वृश्चिक	राशि	कुम्भ
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
अनुराधा	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
शनि	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	3
व्याघात	योग	आयुष्मान
वणिज	करण	कौलव
ने-नैनसुख	जन्म नामाक्षर	दा-दामिनी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
विप्र	वर्ण	शूद्र
कीटक	वश्य	मानव
मृग	योनि	सिंह
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 1वर्ष 6मा 29दि		00:15:04	मेष	लग्न	कर्क	24:48:52	गुरु 4वर्ष 6मा 17दि	
शुक्र		27:08:00	मक	सूर्य	वृष	29:17:52	बुध	
09/09/2024		15:33:26	वृश्चि	चंद्र	कुंभ	29:32:33	31/12/2024	
09/09/2044		11:37:23	तुला	मंगल व	वृश्चि	28:45:09	31/12/2041	
शुक्र	10/01/2028	01:41:28	कुंभ	बुध व	मिथु	02:55:31	बुध	30/05/2027
सूर्य	09/01/2029	05:32:05	मीन	गुरु	वृष	29:33:31	केतु	26/05/2028
चन्द्र	10/09/2030	21:42:41	कुंभ	शुक्र	मेष	13:38:26	शुक्र	27/03/2031
मंगल	10/11/2031	04:32:35	मेष	शनि	वृष	13:00:38	सूर्य	31/01/2032
राहु	10/11/2034	28:18:27	कर्क व	राहु व	मिथु	12:34:20	चन्द्र	02/07/2033
गुरु	11/07/2037	28:18:27	मक व	केतु व	धनु	12:34:20	मंगल	29/06/2034
शनि	09/09/2040	19:23:28	मक	हर्ष व	कुंभ	00:52:09	राहु	15/01/2037
बुध	11/07/2043	08:43:10	मक	नेप व	मक	14:36:12	गुरु	23/04/2039
केतु	09/09/2044	16:22:01	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:47:24	शनि	31/12/2041

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:31 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:21

लग्न-चलित

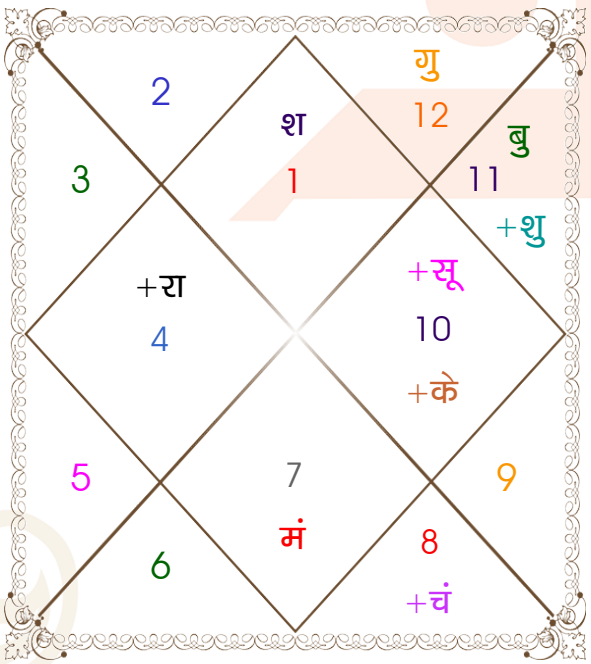

लग्न-चलित

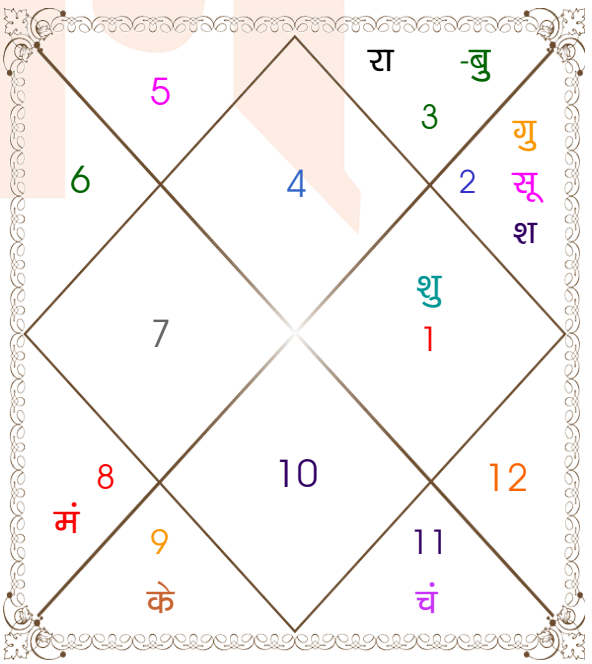

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

कुल : **27.5 / 36**

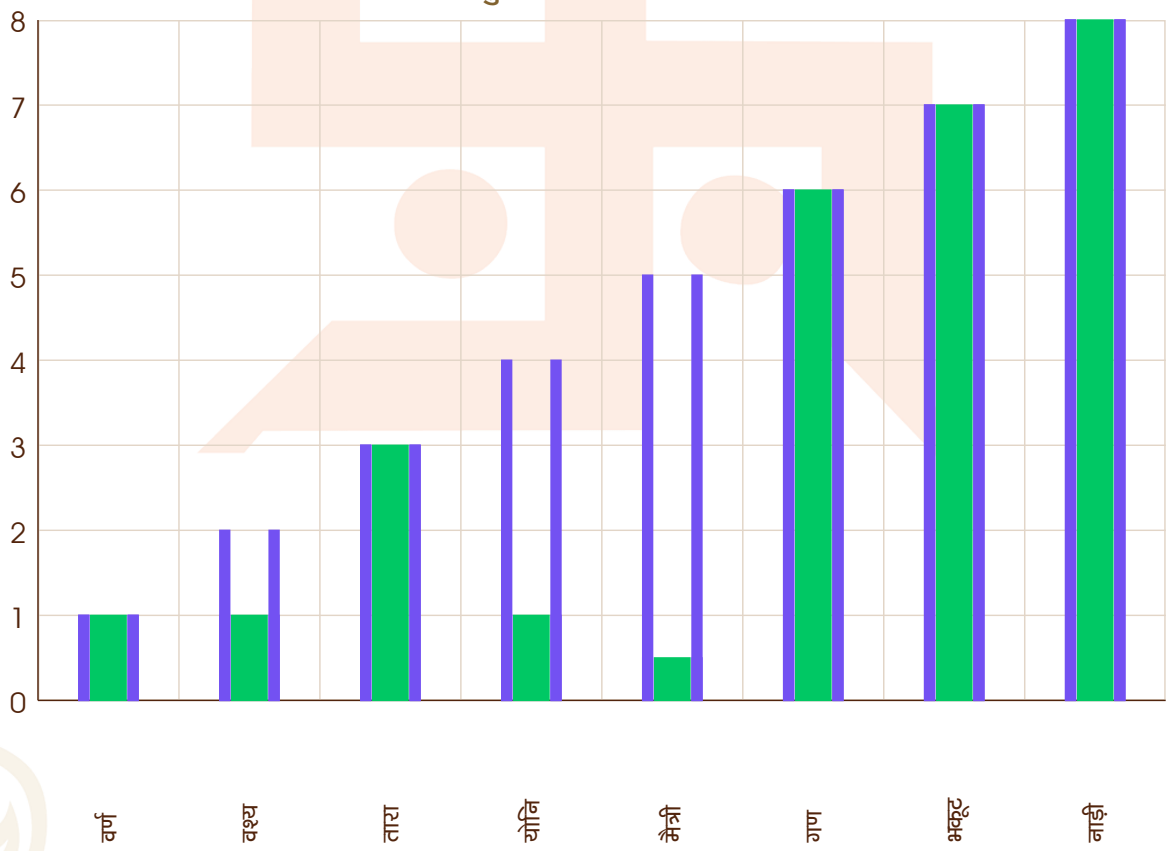

अष्टकूट मिलान

Aman का वर्ग सर्प है तथा Nidhi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Aman और Nidhi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Aman मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Nidhi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Nidhi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Aman तथा Nidhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Aman का वर्ण ब्राह्मण तथा Nidhi का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Nidhi सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। Nidhi एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Aman का वश्य कीट है एवं Nidhi का वश्य द्विपद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीट Aman एवं मनुष्य Nidhi के विवाह को स्वीकार्यहै किंतु दोनों के बीच हितों का संघर्ष होता रहेगा एवं सहयोग एवं आपसी समझ की कमी बनी रहेगी। कभी कभी परस्पर शत्रुता की भावना भी विकसित हो सकती है। जो इनके दांपत्य जीवन को बाधित कर सकता है तथा विकास एवं समृद्धि को प्रभावित कर सकता है। Aman एवं Nidhi बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे तथा कटुता, संदेह एवं तनाव का माहौल बना रह सकता है।

तारा

Aman की तारा सम्पत तथा Nidhi की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Aman एवं Nidhi दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Nidhi एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Aman की योनि मृग है तथा Nidhi की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार

में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Aman का राशि स्वामी Nidhi के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Nidhi का राशि स्वामी Aman के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Aman का गण देव तथा Nidhi का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Nidhi अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Aman से Nidhi की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Nidhi से Aman की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Aman परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Nidhi घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

Aman की नाड़ी मध्य है तथा Nidhi की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ

तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Aman की राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Nidhi की वायुतत्व युक्त कुम्भ राशि है। वायु एवं जल तत्व की नैसर्गिक विषमता के कारण Aman और Nidhi में स्वाभाविक रूप से असमानता रहेगी। अतः संबंधों में तनाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा ।

Aman की राशि का स्वामी मंगल तथा Nidhi की राशि का स्वामी शनि परस्पर शत्रु एवं सम राशि में स्थित हैं। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपसी संबंधों में कटुता का भाव रहेगा एवं एक दूसरे को सुख दुख में सहयोग प्रदान करने में भी किसी की विशेष रूचि नहीं होगी। साथ ही एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके Aman और Nidhi कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर आलोचनात्मक दृष्टि कोण रहेगा। अतः वैवाहिक जीवन में शुभता अल्प मात्रा में ही होगी ।

Aman और Nidhi की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा Aman और Nidhi परस्पर प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रखेंगे। साथ ही कमियों की अपेक्षा गुणों की प्रशंसा करके संबंधों में मधुरता का भाव उत्पन्न करेंगे जिससे दाम्पत्य सुख में प्रसन्नता की अनुभूति होगी। अतः परस्पर सामंजस्य से Aman और Nidhi का जीवन सुखी हो सकता है।

Aman का वश्य कीट तथा Nidhi का वश्य मानव है। मानव एवं कीट में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

Aman का वर्ण ब्राह्मण तथा Nidhi का वर्ण शूद्र है। अतः Aman की प्रवृति शैक्षणिक एवं धार्मिक कार्यो में रहेगी जबकि Nidhi किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी।

धन

Aman की तारा सम्पत तथा Nidhi की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Aman सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Nidhi के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Aman और Nidhi को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Nidhi का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Aman की नाड़ी मध्य तथा Nidhi की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा गंभीर समस्याओं से ये सुरक्षित रहेंगे परन्तु Nidhi के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव विद्यमान होगा। इसके प्रभाव से वे रक्त या पित संबंधी रोगों से समय समय पर कष्ट की प्राप्ति करेंगी। साथ ही गुप्त या धातु संबंधी रोगों से भी उनको जीवन में यदा कदा परेशानी की अनुभूति हो सकती है। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। इससे उपरोक्त समस्याओं में न्यूनता आएगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Aman और Nidhi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Aman और Nidhi के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Nidhi के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Nidhi को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Nidhi को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Aman और Nidhi सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Aman और Nidhi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Nidhi के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Nidhi के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Nidhi अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Nidhi के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Aman के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Aman अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Aman के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Aman के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।